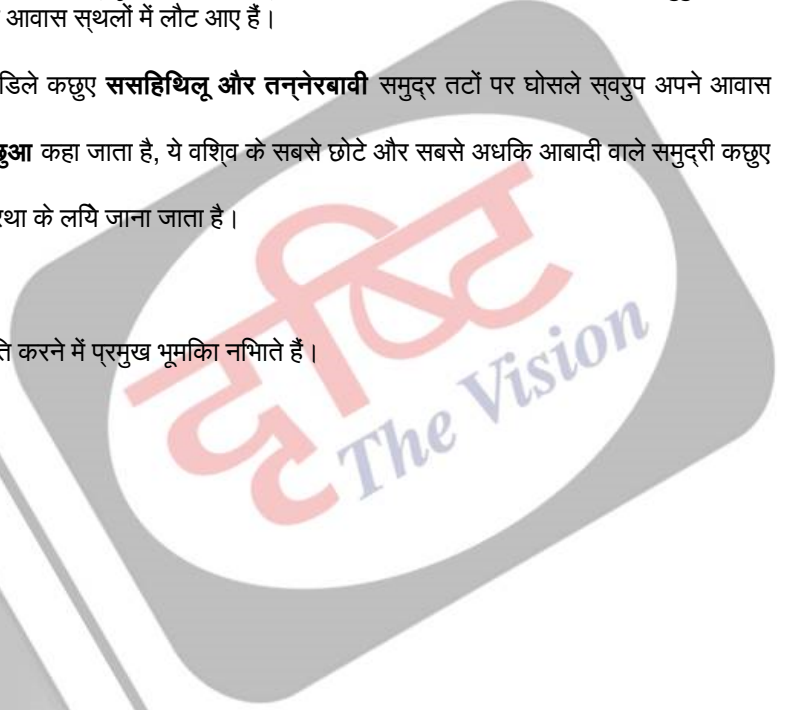


मंगलुरु के समुद्र तटों पर ऑलवि रडिले कछुए

स्रोत: [डाउन टू अर्थ](#)

बढ़ी हुई लवणता और प्रदूषण जैसी [पर्यावरणीय चुनौतियों](#) पर नियंत्रण के परिणामस्वरूप लगभग 40 वर्षों के बाद फरवरी 2024 में कर्नाटक के मंगलुरु मंडल के समुद्र तटों पर [ऑलवि रडिले कछुए](#) (लेपडिचलिस ओलविस्सिया) अपने आवास स्थलों में लौट आए हैं।

- आमतौर पर प्रति साइट लगभग 150 अंडे देने वाले ओलवि रडिले कछुए [ससहिथिलू और तन्नेरबावी](#) समुद्र तटों पर घोंसले स्वरूप अपने आवास स्थलों में आवासित हैं।
- [जैतून रंग के बाह्य आवरण](#) के कारण इन्हें [ऑलवि रडिले कछुआ](#) कहा जाता है, ये विश्व के सबसे छोटे और सबसे अधिक आबादी वाले समुद्री कछुए हैं।
 - इन्हें 'अरबाडा' नामक सामूहिक घोंसले बनाने की प्रथा के लिये जाना जाता है।
 - [संरक्षण स्थिति:](#)
 - [IUCN- सुभेद्य](#)
 - [वन्यजीव अधिनियम 1972](#)- अनुसूची 1
- ये [जेलीफिश](#) का भक्षण कर जेलीफिश की आबादी को नियंत्रित करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।



Few Turtle Species



Loggerhead Sea Turtle

- Species of oceanic turtle
- Spend most of their life in saltwater and estuarine habitat
- IUCN status: **Vulnerable**

Leatherback Turtle

- The largest of the seven species of sea turtles
- Able to maintain high body temperature using metabolically generated heat
- IUCN status: **Critically Endangered**



Green Turtle

- Named after the greenish colour of their cartilage
- Found in tropical and subtropical waters
- IUCN Status: **Endangered**

Olive Ridley Turtle

- Smallest and most abundant of all sea turtles
- Carnivores
- They practice Unique Mass Nesting called Arribada
- IUCN Status: **Vulnerable**



#FewTurtleSpecies

और पढ़ें... [ओलवि रडिले कछुआ](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/olive-ridley-turtles-on-mangaluru-beaches>